www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आतंकवाद और पीओके पर सरकार का स्पष्ट... 3 शिक्षा मंत्री ने होनहार विद्यार्थियों को पंजाब का गौरव... 4 स्वच्छता पखवाड़ा में प्लास्टिक बाहर-कपड़ा...

वर्ष: 9 | अंक: 220 | दिल्ली, बुधवार, 4 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

हमें माता वैष्णो देवी जाना पड़ेगा, लोगों को बुलाना पड़ेगा-फारूक अब्दुल्ला

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को खीर भवानी मेला और हजरत मीर सैयद अली हमदानी के उर्स दोनों के जश्न का स्वागत किया और इसे कश्मीर में सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रगति के लिए एकता के महत्व पर जोर दिया। एएनआई से बात करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह खुशी की बात है कि खीर भवानी का मेला और हजरत मीर सैयद अली हमदानी का उर्स आज मनाया जा रहा है। घाटी में हमेशा भाईचारा रहा है। हम इस भाईचारे को पूरे देश में देखना चाहते हैं। अगर हम एकजुट रहेंगे, तो हम तरक्की करेंगे। खीर भवानी मेला कश्मीरी पंडित समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक धार्मिक उत्सव है। यह गंदेरबल जिले के तुल्ला मुल्ला गांव में खीर भवानी मंदिर में आयोजित किया जाता है। यह मंदिर देवी दुर्गा के एक रूप देवी रागन्या देवी को समर्पित है और इसे कश्मीरी हिंदुओं के लिए सबसे पवित्र स्थलों में से एक माना जाता है। अब्दुल्ला ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद तीर्थयात्रियों की संख्या में आई गिरावट पर चिंता जताते हुए श्रद्धालुओं से कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर जाने की अपील की।

भारत में कोरोना के सक्रिय मामले 4,000 के करीब पहुंचे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत में एक बार फिर से कोरोना वायरस के केस बढ़ रहे हैं। पिछले कई दिनों से लगातार संख्या में इजाफा देखा गया है। कोविड के सबसे ज्यादा केस केरल और महाराष्ट्र में देखे गये हैं। कुछ मरीज कोरोना के कारण गंभीर अवस्था में भी पहुंच गये हैं। लगभग 37 लोगों ने इस वायरस के कारण अपनी जान गंवाई है। ताजा आंकड़ों की माने तो भारत में कोविड-19 के उपचाराधीन मामलों की संख्या बढ़कर 4,000 से अधिक हो गई है, जिसमें केरल सबसे अधिक प्रभावित राज्य बना हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, केरल के बाद महाराष्ट्र, गुजरात और दिल्ली कोविड-19 से सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में शामिल हैं। देश में पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या 4,026 दर्ज की गई और संक्रमण से पांच मरीजों की मौत की सूचना है। इस साल जनवरी के बाद से देश में कोविड-19 से अब तक 37 लोगों के मरने की सूचना है। देश में 22 मई को उपचाराधीन मरीजों की संख्या 257 थी और 31 मई तक यह संख्या बढ़कर 3,395 हो गई और इसके बाद उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 4,026 हो गई।

यूपी में पुलिस और पीएससी में अग्निवीरों को मिलेगा 20% आरक्षण

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। एक महत्वपूर्ण नीतिगत कदम के तहत, योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को राज्य पुलिस भर्ती में पूर्व अग्निवीरों के लिए 20% आरक्षण को मंजूरी दे दी। यह निर्णय दिन में 11 बजे हुई कैबिनेट बैठक के दौरान लिया गया। आधिकारिक घोषणा के अनुसार, आरक्षण पुलिस विभाग के भीतर कई प्रमुख श्रेणियों में सीधी भर्ती पर लागू होगा, जिसमें सिविल पुलिस कांस्टेबल, पीएसी (प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी), घुड़सवार पुलिस कांस्टेबल और फायरमैन शामिल हैं। राज्य सरकार ने कहा कि कोटा का उद्देश्य अग्निपथ योजना के तहत चार साल की सैन्य सेवा के बाद पूर्व अग्निवीरों को सिविल सेवाओं में शामिल करने में सहायता करना है।

आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार बनी आईपीएल चैंपियन

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। आरसीबी ने पंजाब किंग्स को 6 रन से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर पहली बार आईपीएल चैंपियन बनी है। आरसीबी के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली आईपीएल की पहली ट्रॉफी जीतने की खुशी में भावुक हो गए। कोहली ने बेंगलुरु की जीत पर कहा कि मैंने इस टीम को अपना सब कुछ दिया है। इसमें मेरी यंग एज से लेकर मेरा पूरा अनुभव भी शामिल है। साथ ही कोहली ने कहा कि मेरा दिल और मेरी आत्मा सब बेंगलुरु के लिए है। विराट कोहली ने बेंगलुरु की जीत पर कहा कि ये जीत जितनी फैंस के लिए है उतनी ही टीम के लिए भी है। विराट ने आगे कहा कि आईपीएल को 18 साल हो गए हैं। मैंने इस टूर्नामेंट को अपनी जवानी से लेकर अपना प्राइम टाइम तक सब कुछ दिया है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये दिन भी आएगा।

विराट कोहली ने अपने दोस्त एबी डीविलियर्स के लिए कहा कि एबी ने इस फ्रेंचाइजी के लिए जो किया है, वो बेहतरीन है। विराट ने बताया कि उन्होंने मैच से पहले डी विलियर्स से कहा था कि ये मैच भी आपका है और मैं चाहता हूं कि इस जीत का जश्न डीविलियर्स हमारे साथ मनाएं। कोहली ने बताया कि एबी आज भी हमारे वो खिलाड़ी हैं जिन्होंने आरसीबी के लिए सबसे ज्यादा मैन ऑफ द मैच अवॉर्ड जीते हैं, जबकि उन्हें रिटायर हुए चार साल हो गए हैं। एबी हमारे साथ पोडियम पर खड़े होने के हकदार भी हैं। साथ ही विराट ने कहा कि, मैं इस टीम के लिए तब तक खेलता रहूंगा, जब तक कि मेरे पास आईपीएल खेलने का मौका है। मैं अपने आखिरी मैच तक इस टीम को सबकुछ दे देना चाहता हूं। विराट ने कहा कि आज वो एक बच्चे की तरह सोएंगे अपने दिमाग में बिना कोई चिंता लिए।

मंडियों के कूड़ा निपटान को लेकर सीएम की अध्यक्षता में अहम बैठक आयोजित

मंडियों से उत्पन्न कूड़े के प्रभावी निपटान को लेकर सुझाव किए गए प्रस्तुत

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में राजधानी की मंडियों में कूड़ा प्रबंधन और सफाई व्यवस्था को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विकास मंत्री कपिल मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडियों और विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बैठक में मंडियों से उत्पन्न कूड़े के प्रभावी निपटान को लेकर विभिन्न सुझाव प्रस्तुत किए गए। अधिकारियों द्वारा दिए गए सुझावों की व्यापक समीक्षा की गई। सरकार ने स्पष्ट किया कि राजधानी की मंडियों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

यह निर्णय लिया गया कि मंडियों की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय बढ़ाया जाएगा। साथ ही, इस दिशा में प्रगति की समीक्षा के लिए अगली बैठक जल्द आयोजित की जाएगी। सरकार का मानना है कि मंडियों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए विक्रेताओं की सक्रिय सहभागिता अनिवार्य है। इसके लिए विक्रेताओं और खरीदारों दोनों को जागरूक किया जाएगा, ताकि स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी सुनिश्चित हो सके।

मंडियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सरकार आवश्यक कदम उठाएगी, जिससे लोगों के घरों तक स्वच्छ और सुरक्षित खाद्य सामग्री पहुंचाई जा सके।

मजदूर हो या इंजीनियर सभी के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी दिल्ली सरकार-कपिल मिश्रा

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने कोई बेरोजगार नहीं रहे के संकल्प को साकार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। दिल्ली सचिवालय में श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली के युवाओं को लेबर से लेकर इंजीनियर, टेक्निकल से लेकर नॉन-टेक्निकल सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस बैठक में डीआईसीसीआई (दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री), सीआईआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और दिल्ली टेक्निकल इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए ठोस रणनीति तैयार करना और विभिन्न विभागों व औद्योगिक संगठनों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना था। श्री कपिल मिश्रा ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि दिल्ली सरकार बेरोजगारी को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने सभी हितधारकों से एकजुट होकर इस दिशा में काम करने का अह्वान किया, ताकि प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और रुचि के अनुसार रोजगार मिल सके।

श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री कपिल मिश्रा ने कहा, दिल्ली का हर युवा हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली में कोई भी बेरोजगार न रहे। चाहे वह मजदूर हो, इंजीनियर हो, तकनीकी हो या गैर-तकनीकी क्षेत्र का युवा, हम सभी के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करेंगे। यह जॉब मेला दिल्ली के युवाओं के सपनों को साकार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा।

यह बैठक दिल्ली सरकार की उस प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो हर युवा को रोजगार के अवसर प्रदान करने और दिल्ली को बेरोजगारी मुक्त बनाने के लिए है। औद्योगिक संगठनों, शैक्षिक संस्थानों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर सरकार एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है, जो न केवल रोजगार सृजन को बढ़ावा दे, बल्कि युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप उज्ज्वल भविष्य प्रदान करे।

वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार मेले के आयोजन का प्रावधान किया गया है। इसके तहत दिल्ली के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जाएगा, जहां जॉब तलाशने वाले युवा और नियोक्ता संस्थान सीधे संपर्क स्थापित कर सकेंगे। इस दिशा में पहला विशाल जॉब मेला जुलाई 2025 में आयोजित करने का प्रस्ताव है, जो दिल्ली के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा।

लाडवा क्षेत्र की बहलोलपुर आईटीआई अब होगी महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर

नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में एमओयू पर हुए हस्ताक्षर

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की उपस्थिति में यहाँ महात्मा ज्योतिबा फुले आईटीआई, बहलोलपुर में महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर की स्थापना के लिए नवीन जिंदल फाउंडेशन और कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, हरियाणा के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। अब यह आईटीआई महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर के रूप में विकसित होगी जिसका संचालन नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा किया जायेगा।

इस अवसर पर सांसद नवीन जिंदल और हिसार से विधायक एवं पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल भी उपस्थित रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सांसद नवीन जिंदल की उपलब्धियों पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत बनाने के विजन में कुरुक्षेत्र की विशेष भूमिका होगी। उन्हें पूरा विश्वास है कि सांसद नवीन जिंदल उनके साथ मिलकर सबसे पहले इस लक्ष्य को प्राप्त करेंगे और 2030 तक कुरुक्षेत्र कैथल की गिनती देश के अग्रणी क्षेत्रों में होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन जिंदल ने जो वादे लोगों से किए थे, उन्हें वे एक-एक करके पूरा कर रहे हैं।

सांसद नवीन जिंदल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि उनका विजन है कि युवा सही तरीके से विदेश में जाकर अपना रोजगार प्राप्त करें। उन्हें वहां मजदूरी न करनी पड़े। इसके लिए युवाओं को स्किल का बेहतर प्रशिक्षण दिया जायेगा जिससे वे देश-विदेश में रोजगार के साथ अपना खुद का काम धंधा भी शुरू कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 से ही निरंतर स्किल आधारित शिक्षा पर बल दिया है। उन्हीं से प्रेरणा लेते हुए कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में इन कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम किया जा रहा है।

इस अवसर पर कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजयेंद्र सिंह, विदेशी सहयोग विभाग के एडवाइजर पवन चौधरी सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

विद्यादीप पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स जीत कूने-डो समर कैंप का भव्य समापन समारोह आयोजित

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली जिला के शिव विहार स्थित विद्यादीप पब्लिक स्कूल में गत सोमवार को स्पोर्ट्स जीत कूने-डो समर कैंप का भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया।

इस समर कैंप में बच्चों को मार्शल आर्ट, योगा, सेल्फ डिफेंस, स्पोर्ट्स जीत कूने डो आदि खेलों को सिखाया गया। इस कैंप में डेढ़ सौ से अधिक बच्चों ने भाग लिया था। जिसमें ज्यादातर बच्चों ने मार्शल आर्ट यानी फाइट में ज्यादा दिलचस्पी दिखाई।

सभी बच्चों को मेडल सर्टिफिकेट ट्रॉफी और आई कार्ड देकर सम्मानित किया गया। जिन बच्चों का इन खेलों में गोल्ड मेडल आया है उन सभी बच्चों के नाम इस प्रकार हैं।

नितेश बंसल, समर सिंह राणा, हर्ष मित्तल, छवि पांचाल, भव्य सैनी, संजना जायसवाल, आयुष, निहाल, प्राणिका शर्मा, हर्ष शर्मा, रूद्र शर्मा, आशी यादव, शिवांश मिश्रा, शिवांश मलिक, शिविका, कनिका, आदर्श सिंह, गौरांग मित्तल, विवान, अंश कुमार, चेतन राठौड़, कृष्णा सिंह राणा, दिव्यांश शर्मा, आदित्य पांडे, अभिषेक, दीपांशु, कुंडल, अभय शर्मा, नरेंद्र, साव्या इन सभी बच्चों ने गोल्ड मेडल जीतकर स्कूल का और अपने परिवार का नाम रोशन किया।

विद्यादीप पब्लिक स्कूल के हेड मास्टर देवत राम, गीता मैडम, कौशल्या मैडम और स्कूल के सभी अध्यापक और अध्यापकों ने बच्चों को मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस समय कैंप का आयोजन के कोच राकेश कुमार चितौड़ी ब्लैक बेल्ट 7वीं रैंक और शिव चितौड़ी ब्लैक बेल्ट थर्ड रैंक स्पोर्ट्स जीत कूने-डो जो 40 वर्षों से विभिन्न प्रकार के गेम बच्चों को सिखा रहे हैं। उन्होंने अपने संरक्षण में सभी बच्चों को सभी प्रकार के गेम सिखाया। अंत में सभी बच्चों, पेरेंट्स, अध्यापक और अध्यापिकाओं का संगठन की ओर से धन्यवाद किया गया।

अयोध्या में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा पांच जून को

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। मंदिर में अब राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। भगवान राम की रामलला के स्वरुप की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी 2024 को की गई थी। वहीं अब पांच जून को भी राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। पांच जून को ही गंगा दशहरा भी आयोजित होगा। राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा मंदिर में ही की जानी है। हालांकि प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद भी भक्तों को दर्शन करने की सुविधा नहीं मिलेगी। वहीं मंदिर प्रशासन ने ये अपील की है कि पांच जून को श्रद्धालु अयोध्या ना आएं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय ने भक्तों से अपील की है कि पांच जून को वो अयोध्या ना आएं। पांच जून को प्राण प्रतिष्ठा की जानी है। ऐसे में इस दिन अयोध्या ना आएं। मौसम के कारण इस दौरान कोई खास कार्यक्रम नहीं किया जा रहा है। इस प्राण प्रतिष्ठा में किसी खास गणमान्य को भी नहीं बुलाया गया है। सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी गई है। उन्होंने कहा कि लोग नियमित तौर से दर्शन कर सकेंगे। राम मंदिर के पहले तल पर राम दरबार के साथ परकोटे के बाकी छह मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होगी। जिन मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा होनी है उसमें गणेश, शिव, देवी भगवती, हनुमान जी, भगवान सूर्य, देवी अन्नपूर्णा और शेष अवतार के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इन प्राण प्रतिष्ठा के लिए तीन जून से ही अनुष्ठान शुरू होंगे।

खनन विभाग के अदालतों में लंबित मामलों में समय से पैरवी करें विभाग: केएम पांडुरंग

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। खनन एवं भू-गर्भ विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग ने कहा कि खनन विभाग से संबंधित जितने भी मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं उन्हें जल्द से जल्द पैरवी कर निपटाया जाए। इन सभी मुकदमों की एक सूची तैयार करें और उन्हें इन पर समय-समय पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट भी तैयार करें।

श्री पांडुरंग मंगलवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में खनन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में निर्देश दे रहे थे।

श्री पांडुरंग ने कहा कि अभी खनन विभाग से संबंधित मामले विभिन्न अदालतों में लंबित हैं। ऐसे में प्रत्येक मामले में समय से पैरवी कर इनका निपटारा करवाएं। इसके साथ ही उन्होंने विभाग के विभिन्न खनन कंपनियों पर बकाया राशि की भी तुरंत रिकवरी करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रिकवरी सैल प्रत्येक रिकवरी के लिए प्रयास करे ताकि समय पर रिकवरी हो और निर्धारित लक्ष्य हासिल किया जा सके।

इस दौरान उन्होंने कहा कि खनन विभाग के सभी अधिकारी अवैध खनन पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए कार्य करें। लगातार पैट्रोलिंग करें और अगर कहीं पर भी अवैध रूप से खनन हो रहा है तो तुरंत कार्रवाई करें। मीटिंग में उन्होंने प्रदेश में चल रही सभी खनन साईटों की क्रमशः समीक्षा की और खनन अधिकारियों से कहा कि अगर कहीं निशानदेही को लेकर दिक्कत आती है तो अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वह राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर मामले का समाधान करे। मीटिंग में विभाग के अतिरिक्त निदेशक महेंद्र पाल, स्टेट माईनिंग इंजीनियर डा. माधवी गुप्ता, स्टेट जियोलॉजिस्ट दीपक कुमार व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

वैश्विक विस्मृति के शिकार तियानमेन चौक के शहीद

वर्तमान युग लोकतंत्र का है, इस प्रणाली की लाख खामियों के बावजूद आधुनिक दुनिया अपने आप को लोकतांत्रिक व्यवस्था कहलवाना पसंद करती है। यहां तक कि मजहबी राजनीतिक व्यवस्था वाले देश भी अपने नाम में किसी न किसी तरह लोकतंत्र शब्द को शामिल करके स्वयं को प्रगतिशील साबित करने का प्रयास करते हैं। पर आश्चर्य की बात है कि लोहावरणवादी कम्युनिस्ट व्यवस्था को जबरन ढो रही चीन की जनता ने आज से चार दशक पहले लोकतंत्र के पक्ष में आवाज उठाई तो उसे टैंकों ने रौंद दिया और आज लोकतांत्रिक वैश्विक समाज उस घटना को लगभग भूल सा गया लगता है। दरअसल 4 जून, 1989 में चीन के बीजिंग का तियानमेन चौक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों का केन्द्र बना, जिसे चीन के कम्युनिस्ट शासकों ने बुरी तरह कुचल दिया। इसकी पृष्ठभूमि में जाएं तो पता चलता है कि 1980 के दशक में चीन बड़े बदलावों से गुजर रहा था। सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कुछ निजी कंपनियों और विदेशी निवेश को अनुमति देना शुरू कर दिया। चीनी नेता डेंग जियाओपिंग को इससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलने और लोगों का जीवन स्तर ऊपर उठने की आशा थी। इस कदम से राजनीतिक खुलेपन की उम्मीद भी जगी, लेकिन उस समय कम्युनिस्ट पार्टी दो भागों में बंट गई। एक वर्ग वो जो तीव्र परिवर्तन की मांग कर रहा था, तथा दूसरा वो कठोर राज्य नियंत्रण बनाए रखना चाहता था। इस दौरान छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसमें भाग लेने वालों में वे लोग शामिल थे जो विदेश में रह चुके थे और नए विचारों तथा उच्च जीवन स्तर से परिचित थे। 1989 में अधिक राजनीतिक स्वतंत्रता की मांग के साथ विरोध प्रदर्शन बढ़ गये। प्रदर्शनकारियों को एक प्रमुख राजनीतिज्ञ हू याओबांग से प्रोत्साहन मिला, जिन्होंने कुछ आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तनों की देखरेख की। दो वर्ष पहले राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें पार्टी के शीर्ष पद से हटा दिया था। अप्रैल में हू की मौत हो गई, उनके अंतिम संस्कार के दिन हजारों लोग एकत्रित हुए और उन्होंने अधिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा कम सेंसरशिप की मांग की। अगले सप्ताहों में, प्रदर्शनकारी तियानमेन चौक पर एकत्र हुए, जिनकी अनुमानित संख्या दस लाख तक थी। तत्कालीक कम्युनिस्ट व्यवस्था ने इस दौरान न केवल हजारों निर्दोष नागरिकों, विशेषकर छात्रों और श्रमिकों का निर्मम दमन किया गया, बल्कि करोड़ों चीनी नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकारों को भी रौंद दिया। 3-4 जून की रात, चीन की जनमुक्ति सेना ने बख्तरबंद टैंकों और हथियारों से छात्रों पर हमला किया। हजारों की संख्या में निर्दोष लोगों की हत्या कर दी गई। यह भयावह घटना इतिहास में चार जून की घटना या तियानमेन नरसंहार के नाम से दर्ज है जो आज भी चीन में एक वर्जित विषय बना हुआ है। घटना वाले दिन बीजिंग की सडकों पर वह भयावह मंजर शुरू हुआ। चीनी सेना ने राजधानी में प्रवेश कर गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार 35-36 लोग मारे गए। लेकिन यह तो केवल शुरूआत थी। 4 जून की सुबह करीब 4 बजे, जब तियानमेन चौक पर हजारों की संख्या में निहत्थे छात्र, नागरिक, बच्चे और बुजुर्ग शांतिपूर्वक लोकतंत्र और पारदर्शिता की मांग को लेकर एकत्र थे, तब कम्युनिस्ट सरकार ने क्रूरतम रूप का प्रदर्शन किया। सरकार ने न सिर्फ टैंक और हथियारबंद जवानों को तियानमेन चौक पर भेजा, बल्कि लड़ाकू विमानों तक की तैनाती की। बिना किसी चेतावनी के गोलियां बरसाई गईं। निर्दोष लोगों को कुचला गया, दौड़ते बच्चों को निशाना बनाया गया, और चौक को रक्तरंजित कर दिया गया। यह कार्रवाई सिर्फ एक नरसंहार नहीं बल्कि लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की भावना पर एक संगठित, राज्य-प्रायोजित प्रहार था। बीजिंग की सडकों पर मानव रक्त की नदियाँ बह रही थीं। यह कोई युद्ध का मैदान नहीं था, बल्कि एक शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रदर्शन के खिलाफ राज्य द्वारा चलाया गया सुनियोजित नरसंहार था। चीन की कम्युनिस्ट सरकार ने छात्रों और नागरिकों की शांतिपूर्ण मांगों का उत्तर टैंकों और गोलियों से दिया। रात के अंधेरे में बीजिंग की सडकों पर टैंक गर्जना करने लगे और कुछ ही घंटों में लगभग 10,000 निर्दोष लोगों की जानें चली गईं। चीनी सरकार अनुसार, दो सौ लोग मरे और तीन हजार घायल हुए। तियानमेन नरसंहार को लेकर वर्षों तक चीन सरकार ने मृत्यु संख्या को लेकर पूर्ण गोपनीयता बनाए रखी, लेकिन समय के साथ कुछ अंतर्राष्ट्रीय दस्तावेज सामने आए, जिन्होंने इस भयावह घटना की असली तस्वीर उजागर की। चीन में तत्कालीन ब्रिटिश राजदूत एलन डॉनल्ड ने 1989 में लंदन भेजे अपने एक गोपनीय टेलीग्राम में स्पष्ट रूप से कहा था कि इस सैन्य कार्रवाई में कम से कम 10,000 लोगों की मृत्यु हुई। यह टेलीग्राम घटना के 28 वर्षों बाद सार्वजनिक हुआ। हांगकांग बैप्टिस्ट विश्वविद्यालय में चीनी इतिहास, भाषा और संस्कृति के विशेषज्ञ ज्यां पिए कबेस्टन ने भी इस टेलीग्राम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ब्रिटिश राजनयिकों द्वारा भेजे गए आँकड़े हैं और इन्हें खारिज नहीं किया जा सकता।

जयंती

नूतन

जन्म-4 जून, 1936; मृत्यु: 21 फरवरी, 1991) हिन्दी सिनेमा की सबसे प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में से एक रही हैं। भारतीय सिनेमा जगत में नूतन को एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर याद किया जाता है जिन्होंने फि ल्मों में अभिनेत्रियों के महज शोपीस के तौर पर इस्तेमाल किए जाने की परंपरागत विचार धारा को बदलकर उन्हें अलग पहचान दिलाई। सुजाता, बंदिनी, मैं तुलसी तेरे आंगन की, सीमा, सरस्वती चंद्र, और मिलन जैसी कई फि ल्मों में अपने उत्कृष्ट अभिनय से नूतन ने यह साबित किया कि नायिकाओं में भी अभिनय क्षमता है और अपने अभिनय की बदौलत वे दर्शकों को सिनेमा हॉल तक लाने में सक्षम हैं।

पुण्यतिथि

अभिमन्यु अनत

जन्म-9 अगस्त, 1937, मॉरीशस; मृत्यु-4 जून, 2018) मॉरीशस में हिन्दी कथा साहित्य के सम्राट हैं। उन्होंने 18 वर्षों से हिन्दी का अध्यापन किया और तीन वर्षों तक युवा मंत्रालय में 'नाट्य कला विभाग' में नाट्य प्रशिक्षक रहे। उन्होंने अपने उच्च-स्तरीय हिन्दी उपन्यासों और कहानियों के द्वारा मॉरीशस को हिन्दी साहित्य में उच्च मंच पर प्रतिष्ठित किया।

कल मिलेंगे

टीचर स्टूडेंट से-ये बताओ कि नदी में नींबू का पेड़ लगा है तो उसे कैसे तोड़ोगे?
स्टूडेंट-चिड़िया बनकर.
टीचर-तुम्हें चिड़िया कौन बनाएगा?
स्टूडेंट-जो नदी में नींबू का पेड़ लगाएगा.

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आतंकवाद और पीओके पर सरकार का स्पष्ट व कड़ा संदेश

-मृत्युंजय दीक्षित

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पूरे जोश में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भी स्पष्ट रूप से कहा कि अगर पाकिस्तान को भारत से कोई वार्ता करनी है तो पहले वह हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकियों को भारत के हवाले करे, अपने यहाँ चल रही आतंक की नर्सरी को नष्ट करे और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली कर दे

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नौ आतंकी बेस नष्ट होने पर पाकिस्तान बौखला गया। उसने आतंकवादियों पर हमले को पाकिस्तान पर हमला माना और बदला लेने के लिए अपने अमेरिकी, चीनी और तुर्की हथियारों से भारत पर हमला बोल दिया। भारत के स्वदेशी आयुधों ने पाकिस्तान को न केवल धूल चटा दी वरन उसके 11 हवाई बेस बुरी तरह से ध्वस्त कर दिए। पलटवार में मुंह की खाने पर पाकिस्तान घुटनों पर आ गया, उसके गुहार लगाने पर भारत ने पाक के सैन्य ठिकानों पर कार्यवाई कुछ समय के लिए स्थगित कर दी। इस बीच भारत ने अपने सांसदों के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों को विश्व के प्रमुख देशों में भारत का पक्ष रखने भेज दिया। ये प्रतिनिधि मंडल पूरे विश्व में आतंकवाद के विरुद्ध और भारत के पक्ष में वातावरण बना रहे हैं। इधर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह व सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों ने अपने अगले लक्ष्य पर काम आरम्भ कर दिया है। शीर्ष राजनैतिक और सामरिक नेतृत्व आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को अंतिम चरण तक ले जाने के संकेत दे रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर के मध्य जब अचानक संघर्ष विराम का समाचार आया तो देश के एक बहुत बड़े वर्ग में चिंता व निराशा के भाव जागृत हो गये थे। विरोधी दलों के तथाकथित नेताओं ने इसे मोदी सरकार को घेरने का अवसर मान लिया था किंतु जैसे ही प्रधानमंत्री ने राष्ट्र को संबोधित किया जनता का उत्साह वापस आ गया और विरोधी हाथ मलते रह गए। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जो नीति अपनाई गई है उससे पाकिस्तान में भय तथा भ्रम की स्थिति है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और सिन्धु जल समझौते को लेकर जो रणनीति बनाई जा रही है उससे भारत के अंदर बैठे पाकिस्तानी पैरोकारों के पैरों तले जमीन खिसकती हुई दिखाई दे रही है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद से प्रधानमंत्री मोदी की जनसभाओं में अपार जनसमूह उमड़ रहा है फिर चाहे वो गुजरात हो या सिक्किम, बिहार हो या बंगाल या फिर उत्तर प्रदेश। प्रधानमंत्री मोदी जनमानस को संबोधित करते हुए रौद्र रूप में हैं और पकिस्तान के साथ साथ चीन और बांग्लादेश को भी स्पष्ट सन्देश दे रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी की जनसभाओं से राष्ट्रवाद की बयार बहती हुई दिख रही है, जनता में तिरंगा हाथ में लेकर उत्साह दिखा रही है। प्रधानमंत्री अपनी जनसभाओं में स्पष्ट कर चुके हैं कि, शरीर कितना ही स्वस्थ क्यों न हो लेकिन अगर एक कांटा चुभता है तो पूरा शरीर परेशान रहता है। अतः हमने तय कर लिया है कि उस कांटे को निकाल के रहेंगे। प्रधनमंत्री ने कहा कि भारत ने तीन बार पाकिस्तान को युद्ध में धूल चटाई है वह हमसे सीधा युद्ध कभी नहीं जीत सकता। वह बार -बार कह रहे हैं कि पाकिस्तान धोखे में न रहे अगर पाकिस्तान ने अब कोई गलती की तो उसे बहुत भारी से भारी कीमत चुकानी ही पड़ेगी। प्रधानमंत्री स्पष्ट कर रहे हैं अब पाकिस्तान के साथ कोई वार्ता होगी तो केवल और केवल पाक अधिकृत कश्मीर की वापसी और आतंकवाद के मुद्दे पर ही होगी। अब सिंधु नदी का जल और खून एक साथ नहीं बहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी विदेशी सामान के बहिष्कार की भी अपील कर रहे हैं। आपरेशन सिंदूर सिर्फ सेनाओं की नहीं नहीं अपितु जनभागीदीरी की भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि अगर देश को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थवयवस्था बनाना है तो विदेशी सामानों का पूरी तरह से बहिष्कार होगा। प्रधानमंत्री की यह अपील अत्यंत महत्व की है अगर भारतीय जनमानस पूरी तरह से लोकल फॉर वोकल को अपना लेता है तो उससे उन सभी देशों की अर्थव्यवस्था को चरमराते देर नहीं लगेगी जो भारत को आंख दिखाते रहते हैं। अगर भारतीय समाज विदेशी समान का बहिष्कार प्रारम्भ कर देगा तो चीन सहित कई बाजार हिल जाएंगे। उधर आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के स्वदेशी सैन्य उपकरणों तथा हथियारों ने चीन व तुर्किए सहित अमेरिका के सैन्य उपकरणों की पोल खोल दी। इसके बाद चीन के रक्षा उपकरणों की मांग में गिरावट दर्ज की गई है जबकि भारत विश्व के रक्षा बाजार में ऊंची छलांग लगाने को तैयार है। भारत में रक्षा अनुसन्धान का तेजी से विकास किया जा रहा है, स्वदेश कावेरी इंजन शीघ्र ही उड़न के लिए जांचा जाएगा।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पूरे जोश में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने भी स्पष्ट रूप से कहा कि अगर पाकिस्तान को भारत से कोई वार्ता करनी है तो पहले वह हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे खूंखार आतंकियों को भारत के हवाले करे, अपने यहाँ चल रही आतंक की नर्सरी को नष्ट करे और पाक अधिकृत कश्मीर को खाली कर दे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पाकिस्तान के कब्जे वाला पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है। वह दिन दूर नहीं जब पीओके लौटकर कहेगा मैं भारत का ही हूं, मैं वापस आया हूं। भौगोलिक और राजनैतिक रूप से अलग हुए वहां के लोग स्वेच्छा से मुख्यधारा में लौटेंगे। आईएनएस विक्रात में सेना के जवानों का हौसला बढ़ाते हुए रक्षा मंत्री ने एक छुपा हुआ संदेश भी दिया कि अगली कार्रवाई हो सकता है कि नेवी की ओर से हो और अगर ऐसा हुआ तो उसके क्या गंभीर परिणाम हो सकते हैं यह बात पाकिस्तान को समझ में आनी चाहिए कि अगर अब उसने कोई गलती की तो उसके चार टुकड़े तक हो सकते हैं।

भारत की मांग साफ है-पाकिस्तान अपनी जमीन पर चल रही आतंकवाद की नर्सरी को अपने हाथों से उखाड़ फेंके। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति एकदम स्पष्ट है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ऐसा पहली बार हुआ कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सभी रणनीतिकार इतने खुलकर आतंकवाद के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की बात इतनी मुखरता से कर रहे हैं। पहले भारत हर समय विस्फोटों और आतंकी हमलों के डर में जीता था आज आतंकी डरे हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य प्रतिक्रिया या नारा नहीं रह गया है अपितु नये भारत का नया दर्शन बन चुका है। विकसित भारत का नया संकल्प आपरेशन सिंदूर के अंतर्गत ही साधा जायेगा। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का एक नया स्वरूप आकार ले रहा है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

पाक भारत के दम को आजमाने की भूल न करें

-ललित गर्ग

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही

भारत ने पहलगाम के नृशंस एवं बर्बर आतंकी हमले का जिस पराक्रम एवं शौर्य से बदला लिया, लेकिन विडम्बना है कि उस एकदम स्पष्ट सन्देश से पाकिस्तान ने कोई सबक नहीं लिया, पाकिस्तान की ऐसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से भी अक्ल नहीं आयी। पाकिस्तान ऐसे कुत्ते की दूम है, जिसे चाहे कितना ही तरोड़ों-मरोडो वह टेढ़ी की टेढ़ी ही रहने वाली है। लेकिन इस बार भारत ने एक बड़ा सबक लिया है कि पाक के किसी भी झांसे एवं घड़ियाली आंसुओं में वह नहीं आयेगा। इसीलिये भारत हर मोर्चे पर सतर्क एवं सावधान है। भारत ने गैर-सामरिक एवं सामरिक मोर्चे पर सर्तकता दिखाते हुए तमाम समीकरण ही नहीं बदले हैं बल्कि भारत की सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सख्ती को तीक्ष्ण धार दी है। अब कोई भी आतंकी हमला युद्ध की चुनौती के रूप में लिया जाएगा और उसकी कड़ी एवं विध्वंसक प्रतिक्रिया ही होगी। भारत किसी परमाणु ब्लैकमेलिंग का शिकार नहीं होगा। आतंकियों और उनके समर्थकों में कोई भेद नहीं किया जाएगा। भारत आतंकवाद एवं कश्मीर के मामले में किसी भी महाशक्ति की मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। भारत ने हाल की स्थितियों में जो भी निर्णय लिये स्व-विवेक से लिये, अमेरिका की इसमें कोई भूमिका नहीं रही। पाक भारत के दम को कमतर न आंके और उसे आजमाने की भूल न करें।

भारत के कतिपय राजनीतिक दल एवं कुछ लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब भारत विजयी स्थिति में आगे बढ़ रहा था तब उसने शांति की पहल क्यों स्वीकार की? भारत ने बड़ी जीत हासिल कर ली थी और उससे भी बड़ी जीत के लिये उसकी तैयारी थी तो संघर्ष विराम क्यों किया? इसका जवाब भारत के शीर्ष नेतृत्व ने एकदम सरल तरीके से दिया है कि भारत ने अपने सभी लक्ष्य हासिल किए। भारतीय सेना को छह-सात मई की रात पाकिस्तान के आतंकी अड्डों को नष्ट करने के बाद उसके प्रमुख एयरबेस इसलिए नष्ट करने पड़े, क्योंकि उसने अपने यहां के आतंकी अड्डों को निशाना बनाए जाने से चिढ़कर भारत पर मिसाइल और ड्रोन दागने शुरू कर दिए थे। लाहौर और सियालकोट के एयर डिफेंस ध्वस्त कर दिए गए। 11 पाकिस्तानी एयरफील्ड बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुए। इनमें रावलपिंडी स्थित सामरिक महत्व वाला नूर खान बेस, सरगोधा में मुशाफ बेस और जैकबाबाद में शाहबाज बेस प्रमुख हैं। चूंकि भारतीय सेना की अभूतपूर्व जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान बुरी तरह पस्त पड़ गया, इसलिए उसने सैन्य कार्रवाई रोकने की गुहार लगाई-भारत से भी और अमेरिका से भी। लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका की सैन्य कार्रवाई रोकने में कोई भूमिका नहीं थी।

भारत आपरेशन सिंदूर इस शर्त पर स्थगित करने को तैयार हुआ कि इसके आगे की कार्रवाई में पाक की जनता को ही अधिक नुकसान एवं परेशानी झेलनी थी। भारत ऐसा नहीं चाहता था कि पाक आकाओं की नासमझी का शिकार आम-जनता हो। भारत ने आतंकी ढांचे को ध्वस्त कर दिया और जब पाकिस्तान ने भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया तब भी भारतीय प्रतिक्रिया संयमित एवं उचित दायरे में रही। पाक दुष्प्रचार की पोल खोलने के लिए खुद प्रधानमंत्री आदमपुर एयरबेस गए। वह जिस सी-130जे सुपर हरक्युलिस से उतरे वही पाक के दावों को झुठलाने के लिए बहुत था। पाक के झूठे दावे अनेक बार तार-तार हुए हैं। अब भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संकल्प व्यक्त किया है कि आतंकियों और उनके आकाओं की कोई भी हरकत के परिणाम उनकी कल्पनाओं से भी परे होंगे। भारत कभी झूकेगा नहीं, युद्ध जैसी स्थितियां अस्तित्व बचाने के लिये ही है, किसी पर आधिपत्य करने के लिये नहीं।

भारत-पाक के बीच सैन्य टकराव रुक जाने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह श्रेय लेने में देर नहीं लगाई कि उनके हस्तक्षेप के कारण दोनों देश हमले रोकने को राजी हुए। यह दावा झूठा ही नहीं, बल्कि बेबुनियाद था। ट्रंप ने इसे संघर्ष विराम की संज्ञा देते हुए कहा कि मैंने व्यापार का हवाला देकर दोनों देशों की लड़ाई रोकी। इस पर भारत ने साफ कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति से व्यापार को लेकर कोई बात नहीं हुई। ट्रंप का दावा उस समय थोथा भी साबित हो गया, जब अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार न्यायालय ने उनकी इस दलील को ठुकरा दिया कि उन्होंने ट्रेड की बात करके ही भारत और पाक के बीच सैन्य टकराव थामा। न्यूयार्क स्थित इस संघीय अदालत ने उनकी टैरिफ नीति को भी अवैध बता दिया। इससे सिद्ध हो गया कि ट्रंप जो कुछ कह रहे, वह सही नहीं, राजनीतिक महत्वाकांक्षा का बेहूदा प्रदर्शन है।

भारत अभी भी पाक लिये सख्त बना हुआ है, क्योंकि उसकी भूलें अक्षम्य है। भारत की पाक के खिलाफ सख्त कार्रवाइयों में मुख्य हैं सबसे प्रमुख सिंधु जल समझौते को स्थगित करना, चूंकि पाक सिंचाई संबंधी आवश्यकता के लिए एक बड़ी हद तक सिंधु और उसकी सहायक नदियों के पानी पर निर्भर है, इसलिए भारत के फैसले से उसे बड़ा झटका लगना स्वाभाविक है। पाक की कृषि एवं खाद्य सुरक्षा के लिए इस फैसले के दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। इसके साथ ही भारत ने पाक के साथ तमाम व्यापारिक रिश्ते समाप्त कर दिये हैं। जिससे पाक की अर्थ-व्यवस्था प्रभावित हो रही है। भारत की ऐसी जवाबी कार्रवाइयों से पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। लेकिन इन सबके बावजूद पाक सुधरने को तैयार नहीं है। पाक की दुनियाभर में तीव्र भर्त्सना और निन्दा हो रही है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में पाकिस्तान के पहलगाम हमले की जिम्मेदारी लेने वाले रेजिस्टेंस फोर्स की लानत-मलानत ही हुई, पाक की किसी भी बात को तवज्जो नहीं दी गयी, बल्कि उसे फटकार लगी। पाक का टूटना बिखरना खयाली पुलाव नहीं, बल्कि यह उसके आतंकी षडयंत्रों की नियति है।

पहलगाम की घटना स्पष्ट रूप से यह एक सोची-समझी आतंकी साजिश थी। इसका मकसद सांप्रदायिक तनाव को भड़काना और कश्मीर में फल-फूल रहे पर्यटन को नुकसान पहुंचाना था। वहां शांतिपूर्ण चुनाव होने एवं चुनी हुई सरकार का सफलतापूर्वक चलना भी पाक के लिये नागवार गुजर रहा था। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अथक प्रयासों से आ रही शांति एवं समृद्धि के दम पर हालात सामान्य होते जा रहे थे। उसे पाक आका एवं आतंकी छिन्न-भिन्न करना चाहते थे। पाक रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने 25 मई को स्काई न्यूज पर साक्षात्कार में आतंकी ढांचे से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, हम तीन दशकों से आतंक को पालना-पोसने का गंदा काम अमेरिका और ब्रिटेन के लिए करते आए हैं। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने भी आतंकी ढांचे के अस्तित्व को स्वीकार करते हुए कहा कि पाकिस्तान का एक अतीत रहा है। जबकि वास्तविकता यही है कि आतंक पाक का अतीत ही नहीं, बल्कि वर्तमान भी है। यह उसकी मौजूदा नीति है, इसी के तहत पाक समय-समय पर भारत की शांति को क्षत-विक्षत करने की कुचेष्ठा करता रहा है।

अपनी कार्रवाई में भारत ने नागरिक या सैन्य ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, लेकिन आतंकी ढांचे पर सटीक एवं प्रभावी प्रहार किया। अपनी विश्वसनीयता के लिए भारत ने साक्ष्य भी प्रस्तुत किए कि यह कोई खुफिया अभियान न होकर एकदम खुली चेतावनी थी। भारत अब भी अपनी बात पर कायम है कि अगर पाक शांति चाहता है, पडोसी धर्म को निभाना चाहता है तो पहले उसे अपने यहां आतंकी ढांचा समाप्त करना होगा। आतंक के साथ न वार्ता हो सकती है और न व्यापार। पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते। भारत का रुख एकदम स्पष्ट है और अब पाक को तय करना है कि वह क्या चाहता है। भारत पाक और चीन की कुचालों को समझता है, इसीलिये रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं।

दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की भी जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। इन्हीं जरूरतों को देखते हुए भारत अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में जुटा है। लेकिन भारत युद्ध नहीं चाहता, शांति एवं अमन ही उसका लक्ष्य है। भारत ने वैसे भी नो फर्स्ट यूज की नीति अपना रखी है यानी देश परमाणु हथियारों का पहले इस्तेमाल नहीं करेगा। किसी ऐसे मुल्क के खिलाफ भी भारत एटमी वेपन नहीं निकालेगा, जिसके पास परमाणु हथियार नहीं हैं। भारत ने यह ताकत हासिल की है सुरक्षा के लिए, आक्रामकता दिखाने और आक्रमण के लिए नहीं।

लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

वसुधैव कुटुम्बकम पर जोर, टेरर पर ट्रेड होगा इग्नोर, लीबिया में बांसुरी स्वराज ने कुछ अंदाज में पाकिस्तान को सुनाया

(एजेन्सी)।

भारत द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध अपने वैश्विक अभियान को तीव्र करने के बीच, भाजपा नेता और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के ग्रुप 4 की सदस्य बांसुरी स्वराज ने संयुक्त अरब अमीरात, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, सिएरा लियोन और लाइबेरिया की अपनी राजनयिक यात्रा के समापन के दौरान शांति और साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए देश की अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। स्वराज ने कहा कि व्यापार और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकते। खून और व्यापार एक साथ नहीं बह सकते। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम (पूरी दुनिया एक परिवार है) में भारत के विश्वास और वैश्विक मित्र के रूप में कार्य करने के इसके निरंतर प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद कोई क्षेत्रीय मुद्दा नहीं बल्कि वैश्विक खतरा है और कहा कि इस स्पष्ट संदेश के साथ सात संसदीय प्रतिनिधिमंडल भेजे गए हैं।

उन्होंने कहा कि श्रीकांत एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हमारे समूह 4 के प्रतिनिधिमंडल ने इस संदेश को आगे बढ़ाने के लिए चार देशों का दौरा किया। यूएई से मिले समर्थन को याद करते हुए स्वराज ने कहा कि यह सिर्फ एक कूटनीतिक यात्रा नहीं थी - यह भारत के संकल्प की घोषणा थी।

यूएई पहला देश था जिसने इस बर्बर हमले की निंदा की। उन्होंने यात्रा के पश्चिमी अफ्रीकी चरण पर प्रकाश डालते हुए कहा, "सिएरा लियोन, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और लाइबेरिया न केवल भारत के दीर्घकालिक साझेदार हैं, बल्कि उनके बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं, बल्कि वे वैश्विक मंच पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारी यात्रा का उद्देश्य इस प्रभाव को पहचानना और उसे मजबूत करना था।

मिशन के प्रभाव पर विचार करते हुए स्वराज ने कहा कि हमारे कूटनीतिक प्रयास अत्यधिक सफल रहे। सिएरा लियोन और लाइबेरिया की संसद में पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों की याद में एक मिनट का मौन रखा गया। डीआर कांगो ने आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में हमारे साथ खड़े होने का समर्थन करते हुए एक मजबूत बयान भी जारी किया।

भारतीय प्रवासियों के सम्मेलन में पहली बार शामिल होंगी उषा वेंस

(एजेन्सी)।

अमेरिकी उप-राष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के वार्षिक सम्मेलन में भाग लेंगी। यह अमेरिका में उनका पहला भारत से जुड़ा सार्वजनिक कार्यक्रम होगा। भारतीय मूल की उषा वेंस सम्मेलन की शुरूआत एक इंटरव्यू से करेंगी, जिसमें भारत अमेरिका संबंधों पर उनके अनुभव और विचार सम्मेलन के मुख्य वक्ता कॉमर्स सेक्रेटरी हॉवर्ड लटनिक होंगे, जो भारत के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने पर काम कर रहे हैं। भारत के अमेरिका में राजदूत विनय क्वात्रा भी इस आयोजन में संबोधित करेंगे।

उषा वेंस का यह पहला स्वतंत्र नीति और रणनीतिक मंच पर भागीदारी का अवसर होगा। अप्रैल 2025 में उपराष्ट्रपति जेपी वेंस और उषा वेंस भारत दौरे पर आए थे, जो पिछले 12 वर्षों में किसी अमेरिकी उपराष्ट्रपति की भारत यात्रा थी। उषा वेंस का जन्म सैन डिएगो में हुआ था और उनके माता-पिता आंध्र प्रदेश से हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका की द्वितीय महिला उषा वेंस ने अपने परिवार के साथ हाल ही में भारत की अपनी यात्रा के बारे में बताया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ गर्मजोशी और व्यक्तिगत बातचीत का जिक्र किया। इस मुलाकात ने उनके बच्चों पर अमिट छाप छोड़ी। वाशिंगटन डीसी में अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी फोरम में बोलते हुए, भारतीय मूल की एक उच्चस्तरीय वकील वेंस ने इस यात्रा को विशेष रूप से अपने तीन बच्चों बेटे इवान और विवेक, और बेटी मीराबेल के लिए सार्थक बताया। वेंस के बच्चे पहली बार भारत की यात्रा पर आए थे।

उन्होंने कहा कि जब हम प्रधानमंत्री के आवास पर थे, तो हमारा बेटा हर चीज से इतना प्रभावित हुआ और फिर उसके लिए खाने के लिए उपलब्ध आमों की पूरी गाड़ी से इतना प्रभावित हुआ कि उसने प्रधानमंत्री से कहा कि उसे लगता है कि वह शायद यहाँ रह सकता है। वेंस ने कहा कि हमारे बच्चे हमेशा इसके बारे में बात करते हैं।

डी गुकेश ने मैग्नस कार्लसन को दी मात

(एजेन्सी)।

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने नॉर्वे चेस 2025 टूनार्मेंट के छठे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर वन मैग्नस कार्लस को अपने करियर में पहली बार क्लासिक टाइम कंट्रोल में हराया और बेहतरीन जीत अपने नाम की। सफेद मोहरों से खेलते हुए भारत के युवा खिलाड़ी ने दबाव में भी गेम पर अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरी राउंड में 34 वर्षीय नॉर्वेजियन ग्रैंडमास्टर की दुर्लभ गलती का फायदा उठाते हुए इसे पल का यादगार बनाया। स्टावेंजर में घरेलू दर्शकों के सामने खेल रहे कार्लसन गेम में ज्यादा तर समय गुकेश के खिलाफ अपर हैंड बनाए हुए थे और अच्छी स्थिति में दिख रहे थे। वहीं गुकेश ने अनुशासन और धैर्य का बेहतरीन परिचय देते हुए हर चाल का बचाव किया और फिर सटीक जवाबी हमले से खेल का रुख अपनी ओर मोड़ दिया। इस टूनार्मेंट में टाइम कंट्रोल का नियम लागू होता है यानी यहां बिना समय लिए तेजी से अपनी चालें चलनी होती है। कार्लसन टूनार्मेंट के इसी नियम के कारण लड़खड़ा गए और उनकी इस कमजोर का गुकेश ने बखूबी फायदा उठाया। गेम के आखिरी राउंड में उन्हें मात दी। इस जीत से गुकेश बेहद खुश दिखे। प्लेइंग एरिना की लॉबी में उन्होंने अपने लंबे समय के पोलिश कोच ग्रेजगोर्ज गजेव्स्की को जोरदार हाई पंच के साथ स्वागत किया। बता दें कि, ये गुकेश के लिए कमबैक विन रही, जो नॉर्वे चेस के पहले दौर में काले मोहरों से खेलते हुए मैग्नस कार्लसन से हार गए थे। ये 6 खिलाड़ियों की राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता है। नॉर्वे चेस टूनार्मेंट में दो सालों में ये दूसरी बार है जब किसी युवा भारतीय खिलाड़ी ने क्लासिक फॉर्मेट में कार्लसन को मात दी हो। पिछले साल आर प्रग्गनानंदा ने उन्हें इसी टूनार्मेंट में मात दी थी।

जून में गर्मी के साथ बढ़ा सोने की चमक

(एजेन्सी)।

भारत में सोने की कीमत लगातार आसमान छू रही है। आम जनता के लिए अब सोना खरीदना मुश्किल का सौदा होता जा रहा है। भारत में आम जनता को 24 कैरेट सोना खरदीने के लिए प्रति 10 ग्राम 9,906 रुपये का भुगतान करना होगा। वहीं 22 कैरेट सोन खरीदने के लिए प्रति एक ग्राम 9,080 रुपये और 18 कैरेट के लिए 7430 रुपये का भुगतान करना होगा।

बीते कुछ समय में सोने की कीमत में लगातार तेजी आई है। निवेशक लगातार सोने में निवेश कर रहे हैं और ये निवेश का अच्छा साधन बन गया है। दिल्ली में अब 18 कैरेट सोने की कीमत 7,442 रुपये प्रति ग्राम है। सोमवार को बाजार में 18 कैरेट सोना 7,335 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था। दिल्ली में आज 22 कैरेट सोने की कीमत 9,095 रुपये प्रति ग्राम है। कल बाजार में यह 8,965 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 9,096 रुपये प्रति ग्राम है। कल बाजार में यह 9,779 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था।

वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में मंगलवार को 18 कैरेट सोने की कीमत 7,430 रुपये प्रति ग्राम है। इससे पहले सोना 18 कैरेट 7,323 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था। मुंबई में आज 22 कैरेट सोने की कीमत 9,080 रुपये प्रति ग्राम है। कल बाजार में यह 8,950 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था। मुंबई में आज 24 कैरेट सोने की कीमत 9,906 रुपये प्रति ग्राम है। कल बाजार में यह 9,764 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था।

बैंगलोर में आज 18 कैरेट सोने की कीमत 7,430 रुपये प्रति ग्राम है। कल बाजार में यह 7,323 रुपये प्रति ग्राम पर उपलब्ध था।

अनुष्का शेट्टी की 'घाटी' को सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख मिली

(एजेन्सी)। तमिल अभिनेत्री अनुष्का शेट्टी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'घाटी' को नई रिलीज डेट मिल गई है। क्राइम थ्रिलर फिल्म के निमार्ताओं ने घोषणा की है कि यह फिल्म 11 जुलाई, 2025 को दुनिया भर में सिल्वर स्क्रीन पर आएगी। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह फिल्म पहले 18 अप्रैल, 2025 को रिलीज होने वाली थी। फिल्म 'घाटी' की कहानी एक मजबूत महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो परिस्थितियों के कारण गांजे के धंधे में शामिल हो जाती है। राधा कृष्ण जगरलामुदी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में राम्या कृष्णन, अनुष्का शेट्टी, जगपति बाबू, रविंदर विजय, विक्रम प्रभु और जॉन विजय मुख्य भूमिकाओं में हैं। जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दें कि यह फिल्म तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी सहित विभिन्न भाषाओं में रिलीज होगी। अनुष्का की आखिरी फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पॉलीशेट्टी (2023) थी। अपनी फिल्मों को लेकर हमेशा बहुत ही सोच-समझकर काम करने वाली अभिनेत्री ने करीब छह महीने के अंतराल के बाद 'घाटी' साइन की है। अभिनेत्री के प्रशंसक उन्हें फिर से सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और उन्हें फिर से एक्शन में देखने के लिए बेताब हैं। पोस्टर और टीजर को देखकर ऐसा लगता है कि 'घाटी' एक ऐसी फिल्म है जो अपने नायक के जीवन की क्रूर वास्तविकता को बयां करने से पीछे नहीं हटती। कहानी उस धुंधली, खतरनाक दुनिया में गहराई से उतरती है जिसमें वह (अनुष्का) रहती है, एक ऐसी जगह जहां जीवित रहने के लिए न केवल लचीलापन बल्कि निर्दयी धार की आवश्यकता होती है। निमार्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया है कि फिल्म भावनात्मक रूप से चार्ज, तीव्र और यहां तक कि दुखद भी होगी। फिल्म की टैगलाइन 'विक्टिम, क्रिमिनल, लीजेंड' एक सामान्य कहानी से कहीं अधिक संवाद करती है। कृष जगरलामुदी द्वारा निर्देशित, क्राइम एक्शन थ्रिलर जिसकी टैगलाइन 'विक्टिम, क्रिमिनल, लीजेंड' है, नायक के जीवन की क्रूर वास्तविकता को बयां करती है।

शिक्षा मंत्री ने होनहार विद्यार्थियों को पंजाब का गौरव और देश का भविष्य बताया

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि राज्य के सरकारी स्कूलों के 40 विद्यार्थियों ने कड़े मुकाबले वाली जॉइंट एंट्रेंस परीक्षा (जेईई) एडवांस्ड पास करके एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है, जिससे अब उनके लिए देश के प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) में दाखिला लेने का रास्ता साफ हो गया है।

इस शानदार उपलब्धि के लिए इन होनहार विद्यार्थियों, उनके माता-पिता और अध्यापकों को दिल से बधाई देते हुए स. बैंस ने कहा कि ये विद्यार्थी पंजाब का गौरव और देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि इन विद्यार्थियों की सफलता सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के प्रति पंजाब सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता का ठोस प्रमाण है।

एक होनहार विद्यार्थी की दिल को छू लेने वाली कहानी साझा करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट मोहित कुमार गर्ग स्कूल ऑफ एमीनेंस, समाना के विद्यार्थी अर्शदीप सिंह ने जीवन में बड़े सदमे से गुजरने के बावजूद जेईई परीक्षा पास की है। अर्शदीप के पिता की मृत्यु के बाद उसकी मां सुनीता रानी ने आठ हजार रुपये महीने पर सफाई कर्मचारी के रूप में काम किया। इस सब के बावजूद अर्शदीप की मां ने उसके सपनों और इरादों को पूरा करने का दृढ़ इरादा रखा।

अर्शदीप ने पंजाब सरकार द्वारा दी गई मुफ्त कोचिंग और अपनी कड़ी मेहनत तथा अपनी मां व अध्यापकों के मार्गदर्शन व समर्थन से यह बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अब एक आईआईटी क्वालीफायर के रूप में अर्शदीप अपने परिवार की परिस्थितियों को सुधार सकता है। स. हरजोत सिंह बैंस ने फिरोजपुर जिले के एक सरकारी स्कूल के एक और विद्यार्थी लवप्रीत सिंह की कहानी साझा करते हुए बताया कि लवप्रीत ने निजी कोचिंग के बिना जेईई परीक्षा पास की है। अध्यापकों की मदद और मुफ्त कोचिंग के बदौलत लवप्रीत ने सीमित वित्तीय संसाधनों के बावजूद सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि लवप्रीत की कहानी गांवों के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर मुकाम हासिल करने हेतु सशक्त बनाने के लिए राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जा रही अकादमिक सहायता की शक्ति को दशार्ती है।

एक और विद्यार्थी की प्रेरणादायक कहानी साझा करते हुए, स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि पटियाला जिले के एक सरकारी स्कूल के विद्यार्थी हरकिरण दास ने जेईई पास की है। उसके पिता मेवा दास एक फैक्ट्री में 7 हजार रुपये महीना पर काम करते हैं। इसके बावजूद हरकिरण के दृढ़ इरादे और अध्यापकों के मार्गदर्शन और मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम ने उसे आर्थिक मुश्किलों के पार जाकर यह परीक्षा पास करने में मदद की।

वंदे गंगा-जल संरक्षण अभियान में हो अधिकतम जनसहभागिता-डॉ. सौम्या

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने डीओआईटी के भारत निर्माण सेवा केंद्र में वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े (5 से 20 जून) की कार्य योजना पर चर्चा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान भी मौजूद रहे। बैठक में जिला कलेक्टर ने कहा कि राज्य सरकार जल एवं पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से नीतिगत निर्णय लेकर राजस्थान को स्वस्थ एवं स्वच्छ प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर इस वर्ष गंगा दशमी का अनूठा संयोग बना है। गंगा दशमी की मान्यता को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार इस अवसर को जल संरक्षण जन अभियान पखवाड़े के माध्यम से वर्षा जल के अधिक संग्रहण तथा जल स्त्रोतों के रख-रखाव एवं स्वच्छता के लिए व्यापक स्तर पर मनाने जा रही है उन्होंने निर्देश दिए कि जल स्वावलंबन पखवाड़े में आयोजित होने वाली गतिविधियों में आमजन की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक गांव को इन गतिविधियों में जोड़ा।

जमुई के नए जिलाधिकारी नवीन ने किया पदभार ग्रहण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शिखर सिंह

जमुई। जमुई में नवागत जिलाधिकारी नवीन ने देर शाम मंगलवार को जिले के जिलाधिकारी के रूप में समाहरणालय परिसर अवस्थित सभा कक्ष में अपराह्न 4:00 बजे औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। आयोजित समारोह में निवर्तमान डीएम अभिलाषा शर्मा ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और उन्हें कार्यभार सौंपा। वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

बताते चले कि सामान्य प्रशासन विभाग ने उन्हें जमुई का जिलाधिकारी बनाया है। उनके पदस्थापन की अधिसूचना बीते शनिवार को जारी की गई। नवागत डीएम नवीन वर्ष-2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने नए डीएम को जिले की वर्तमान प्रशासनिक स्थिति, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

डीएम ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर जिले में चलाई जा रही केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया

जाएगा। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, शुद्ध पेयजल, जन स्वास्थ्य के साथ ही जनसमस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने पर जोर दिया। कहा कि जिले को हर हाल में समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि जिले का विकास कार्य कराना प्राथमिकताओं में है। इसके साथ ही जिले की मूलभूत समस्याओं के समाधान पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। जिले को पिछड़ेपन की श्रेणी से बाहर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनहित के मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी आदि मौजूद रहे।

जजपा पंचकूला के कार्यकर्ताओं ने नए नियुक्त किए गए पदाधिकारियों का स्वागत किया

सभी कार्यकर्ता मिलजुल कर पार्टी को करेंगे मजबूत-ओपी सिहाग

संजना भारती संवाददाता

पंचकूला। जननायक जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा पंचकूला जिले के पंचकूला विधानसभा हल्का के लिए सोहन लाल गुजर, कालका हल्के के लिए पार्षद मयंक लाम्बा को प्रधान पद की जिम्मेवारी दी गई है तथा बलवंत राणा को कालका हल्के का प्रभारी नियुक्त किया गया है। इससे पहले पार्टी द्वारा सुरेश पाठक को जिला प्रवक्ता नियुक्त किया गया था। आज पंचकूला सेक्टर एक पी डब्ल्यू डी रेस्ट हाउस में एक कार्यक्रम में जजपा जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग की अगुआई में इन सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत तथा अभिनन्दन किया गया।

जिला जजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं द्वारा फूलों की माला पहनाकर सभी नए बनाये गये पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया तथा शुभकामनाएं दीं। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जजपा जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुबारकवाद देते कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी पूरी लग्न व मेहनत से पंचकूला में पार्टी को मजबूत करने का पूरा प्रयास करेंगे। जिला प्रवक्ता सुरेश पाठक एवं जिला अध्यक्ष ने इन नियुक्तियों के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, वरिष्ठ युवा नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री हरियाणा दुष्यंत चौटाला तथा पार्टी के शीर्ष नेताओं का धन्यवाद किया तथा कहा कि सब मिलकर जिले में पार्टी की नीतियों का पूरा प्रचार-प्रसार करेंगे एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी में जोड़ने का काम करेंगे। इस अवसर पर जजपा जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग ने दोहराया कि पार्टी पहले की तरह शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों की तकलीफों, समस्याओं एवं आम पब्लिक से जुड़े मुद्दों को प्रशासन तथा हरियाणा सरकार के समक्ष पुरे जोर शोर से उठायेगी तथा उनका समाधान करवाने का प्रयास करेगी। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी वरिष्ठ नेता के सी भारद्वाज, ईश्वर सिंहमार, सुरिन्दर चड्ढा, दीपक चौधरी, हनी सिंह, सतबीर धनखड़, विवेक सांगा, महाबीर जांगिड़, गुरुदेवसिंह, रणधीर पवार, जयकरण सरोहा, धर्मपाल सांगवान, विजय कुमार, मनीष गुजर, पार्थ, विजय पांचाल, सुखविंदर सिंह, हीरामन वर्मा, जयपाल सिंह, ओमप्रकाश आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कल्याण सिंह की तरह पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल को भी मरणोपरांत पद्म विभूषण मिले: वीरेश शांडिल्य

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ केंद्रीय मंत्री रहे भजन लाल की 14वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद किया और भजन लाल को एक सच्चा जनसेवक और एक सच्चा राष्ट्रभक्त बताया। वीरेश शांडिल्य ने भजन लाल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उन्हें युग पुरूष बताया। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि 1991 में चौधरी भजन लाल व उनके बेटे चंद्रमोहन के संपर्क में आए थे और उन्हें गर्व है कि जब चौधरी भजन लाल 2002 में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष बने थे तो सबसे पहले उन्हें चौधरी भजन लाल ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस का प्रवक्ता नियुक्त किया था और पूर्व मुख्यमंत्री भजन लाल के साथ काम करने का उन्हें मौका मिला और भजन लाल से बहुत कुछ सीखने को मिला।

एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया व ब्राह्मण महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने कहा कि चौधरी भजन लाल 36 बिरादरी के सर्वमान्य नेता थे और उन्होंने हर आदमी को सम्मान देने का काम किया है और उन्होंने कभी सत्ता का दुरूपयोग द्वेष में नहीं किया। वीरेश शांडिल्य ने कहा जब पंजाब में आतंकवाद चरम सीमा पर था और चौधरी भजन लाल हरियाणा के और सरदार बेअंत सिंह पंजाब के मुख्यमंत्री थे और हरियाणा की सीमाएं पंजाब से सटी हुई थी लेकिन भजन लाल ने सरदार बेअंत सिंह के साथ पंजाब में आतंकवाद

के खात्मे के लिए आर पार की लड़ाई लड़ी और हरियाणा पुलिस को आतंकवाद के खिलाफ फ्री हैंड दिया हुआ था जिस कारण बब्बर खालसा के आतंकवादियों ने भजन लाल को मारने के लिए अंबाला हिसार रोड पर आरडीएक्स लगाया था लेकिन भजन लाल की रक्षा भगवान ने की थी और भजन लाल बब्बर खालसा के आतंकवादियों के निशाने पर थे जिस कारण उन्हें केंद्र अधीन जेड प्लस सुरक्षा प्रदान थी और भजन लाल ने आतंकवाद हरियाणा में नहीं फैलने दिया।

वहीं वीरेश शांडिल्य ने कहा कि जैसे मरणोपरांत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को केंद्र सरकार ने पद्म विभूषण दिया था वैसे ही हरियाणा पंजाब में आतंकवाद के खात्मे के लिए अहम भूमिका अदा करने वाले व राष्ट्र की एकता व अखंडता को मजबूत करने वाले भजन लाल को भी कल्याण सिंह की तरह मरणोपरांत पद्म विभूषण केंद्र सरकार दे वहीं वीरेश शांडिल्य ने कहा कि राजनेताओं को भजन लाल जैसी राजनीतिक करनी चाहिए जिन्होंने कभी द्वेष में विरोधियों का नुकसान नहीं कि बल्कि सत्ता को नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत इस्तेमाल किया इसलिए चौधरी भजन लाल को 36 बिरादरी में सम्मान मिलता था और जिस बिश्नोई समाज में वह पैदा हुए थे उस समाज ने उन्हें बिश्नोई रत्न अवार्ड से नवाजा हुआ है। वीरेश शांडिल्य ने बताया चौधरी भजन लाल लगातार तीन बार मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, नौ बार विधायक, तीन बार लोकसभा सदस्य, राज्यसभा सदस्य रहे हैं और फरीदाबाद, करनाल से लोकसभा चुनाव लड़े हैं लेकिन उनमें कभी भी अहंकार नहीं देखा गया है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर खानपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में बीएलओ का बैठक आयोजित

मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधा की उपलब्धता का रखें ध्यान-बीडीओ

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर आसन्न बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तैयारी के मद्देनजर 132 वारिसनगर विधानसभा अंतर्गत खानपुर प्रखंड के बीएलओ की आवश्यक बैठक प्रखंड स्थित सभागार में आयोजित किया गया। बैठक की अध्यक्षता सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी खानपुर विजय कुमार चंद्रा ने किया। बीएलओ को संबोधित करते हुए बीडीओ ने कहा कि आपलोग साफ, स्वच्छ एवं पारदर्शी तरीके से मतदाता सूची का निर्माण करें। ताकि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान हो सके।

प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार चंद्रा ने कहा कि खानपुर के सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाना है। इस ओर हमें सच्ची ईमानदारी और पूरी तन्मयता से कार्य करना है। कोई भी पात्र मतदाता छुटे नहीं और अपात्र मतदाता जुटे नहीं, इस बात का रखें ध्यान। साथ ही कहा कि ड्राफ्ट पब्लिकेशन के अनुसार कोई मतदाता जो भारत के नागरिक हैं, जिनका उम्र 18 वर्ष पूरा हो गया है और सामान्यतः आपके क्षेत्राधीन निवास करते हैं, तो प्रपत्र 6 भरकर उनका नाम मतदाता सूची में जोड़ देना है। उसी तरह कोई मतदाता जिनकी मृत्यु हो गई हो, स्थानांतरण हो गया हो अथवा अवैध रूप से आपके मतदाता सूची में नामांकित हों, उनका प्रपत्र 7 भरकर मतदाता सूची से नाम हटाना है। वहीं किन्हीं मतदाताओं के नाम, पिता के नाम,उम्र तथा पता में त्रुटि हो अथवा मतदाता का स्थानांतरण करना हो तो प्रपत्र 8 भरें। साथ ही प्राप्त प्रपत्र का फाइल भी तैयार कर लिए जाएं।

उन्होंने सभी मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधा के बारे में प्रपत्र के आधार पर जानकारी प्राप्त किया। साथ ही कहा कि मतदान केंद्र भवन, शौचालय, रैम्प, बिजली, फर्नीचर, पेयजल, छाया इत्यादि की पर्याप्त सुविधा होना आवश्यक है। इसके लिए अभी से आवश्यक तैयारी करना सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर लाल बाबू, दिलीप कुमार राम, बीएलओ रामप्रवेश राय, संजय कुमार, अर्चना कुमारी, मुकेश कुमार, परमानंद मंडल, देवानंद प्रसाद, कमलकांत राय, अजय कुमार सहनी, कैलाश सहनी, रेखा कुमारी, मंजू कुमारी, रश्मि कुमारी, सुनील कुमार सहित सभी मतदान केंद्र स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वेदपाल सिंह को मिली कुंवरगांव थाने की जिम्मेदारी, अरविंद कुमार भेजे गए अपराध शाखा

संजना भारती संवाददाता

बदायूं। एसएसपी डॉ. बृजेश सिंह ने कुंवरगांव थाने में तैनात प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार का ट्रांसफर कर उन्हें अपराध शाखा भेजा है। उनकी जगह वेदपाल सिंह को कुंवरगांव थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बताया जा रहा है कि यह निर्णय कार्यप्रणाली में सुधार और अपराध नियंत्रण की मंशा से लिया गया है। डेढ़ माह पहले वजीरगंज से कुंवर गांव पोस्टेड हुए थाना प्रभारी अरविंद कुमार काफी चर्चा में रहे। ग्राम दुगरया में खासपुर के मौजूदा प्रधान व दसरे पक्ष में फायरिंग की घटना फिर पुलिस द्वारा तोड़फोड़ एवं महिलाओं से अभद्रता की शिकायत, भैंस खरीदने आए युवक से 1.70हजार की लूट की घटना को तहरीर मिलने के बाद भी छिपाने कई कोशिश का आरोप लगता रहा और नगर विधायक के

पास भी शिकायतें आती रही। इन्हीं शिकायतों आदि प्रकरणों से जोड़कर भी उस बदलाव को देखा जा रहा है। नव नियुक्त प्रभारी निरीक्षक वेदपाल सिंह पूर्व में भी जनपद के कादरचौक, मुजरिया, फैजगंज बेहटा थानों का चार्ज संभाल चुके हैं।

श्री हरि धाम बाबा सेवा समिति के तत्वावधान में सामूहिक विवाह कार्यक्रम 8 जून को

संजना भारती संवाददाता
मनोज कुमार बिन्द

कौंधियारा, प्रयागराज। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी सेवा, संस्कार और सनातन की पुकार की एक गूंज के साथ श्री हरि धाम बाबा सेवा समिति के पीठाधीश्वर पूज्य महामण्डलेश्वर स्वामी विनयानंद गिरी पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा जी के कर-कमलों द्वारा 8 जून दिन रविवार को सायं 6:00 बजे गंगा महोत्सव व निर्धन कन्याओं का सामूहिक विवाह कौंधियारा क्षेत्र के गोठी बेलसारा में संपादित होने जा रहा है। इस सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि निरंजनी

अखाड़ा के महामण्डलेश्वर व बाघंबरी गद्दी के महंत बलवीर गिरी जी महाराज एवं स्वामी नारायण दास जी महाराज (गोल्डेन बाबा) के साथ बफार्नी बाबा व जया गिरी के सानिध्य में निर्धन व असहाय कन्याओं का सामूहिक विवाह का आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में विशेष रुप से भोजपुरी गायिका शिल्पीराज के साथ लेखक विजय चौहान एवं टीवी सीरियल के कामेडियन कलाकार के के गोस्वामी व राकेश बाबू सहित कई भोजपुरी कलाकारों की उपस्थिति रहेगी। उक्त कार्यक्रम की जानकारी महामण्डलेश्वर विनयानंद गिरी जी महाराज के द्वारा दी गई है।

विजीलैंस ब्यूरो ने 10000 रुपए रिश्वत लेता सहकारी विभाग का सुपरडैंट किया काबू

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाई अपनी मुहिम के दौरान मंगलवार को एस. ए. एस. नगर जिले के डेराबस्सी में पंजाब सहकारी सभाओं के सहायक रजिस्ट्रार (ए. आर.) के दफ़्तर में तैनात सुपरडैंट गुरआजाद सिंह को 10, 000 रुपए रिश्वत लेते हुए गिरफ़्तार किया है।

विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता अनुसार डेराबस्सी के गाँव छछरौली के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई शिकायत के बाद उसे गिरफ़्तार किया है। शिकायतकर्ता ने 2012 में रानी माजरा बहुउद्देशीय कृषि सहकारी सेवा सभा से 2 लाख रुपए का कर्ज लिया था परन्तु नियमित ढंग के साथ अदायगियाँ न कर सका जिस कारण मूल रकम और ब्याज का बकाया जमा होकर 3,16,632 रुपए हो गया। बाद में, शिकायतकर्ता ने इस साल 13 मार्च को 4,14,500 रुपए की सारी बकाया रकम का भुगतान कर करके सोसायटी से बनती क्लीयरेंस भी ले ली थी। शिकायतकर्ता ने दोष लगाया कि इसके बावजूद भी उक्त मुलजिम उसको सहायक रजिस्ट्रार से जरूरी मंजूरी लेने और जमीन को गिरवी से मुक्त करने के लिये 10,000 रुपए रिश्वत माँग रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि इस शिकायत की प्राथमिक जांच के बाद, विजीलैंस ब्यूरो के उड़न दस्ते की टीम ने

जाल बिछाया और उक्त मुलजिम को उसके दफ़्तर में दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 10000 रुपए की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू कर लिया।

विजीलैंस ब्यूरो टीम ने मुलजिम के कब्जे में केस से सम्बन्धित ए. आर. के बिना हस्ताक्षर किये टाईप किये आर्डर भी मौके पर ही बरामद किये।

इस सम्बन्ध में उक्त अधिकारी के विरुद्ध विजीलैंस ब्यूरो के पुलिस थाना, फ्लाइंग स्क्वाड- 1 पंजाब, ऐसएऐस नगर में भ्रष्टाचार रोकथाम कानून की सम्बन्धित धाराओं के अंतर्गत केस दर्ज किया है और इस मामले की आगे जांच जारी है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश बना विश्व की चौथी बड़ी सबसे अर्थव्यवस्था: प्रवीण लाठर

भाजपा देश में चलाने जा रही संकल्प से सिद्धी तक अभियान: भारत भूषण जुआल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

करनाल। भाजपा जिला कार्यालय कर्ण कमल में भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर की अध्यक्षता में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने अपने सम्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में अग्रसर है। मोदी सरकार के 11 वर्ष का कार्यकाल अनेक उपलब्धियों के साथ पूरा हो रहा है।

देश की जनता पीएम मोदी का अभिनंदन कर रही है। सभी भारतवासी ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के साथ सशक्त और समृद्धशाली भारत पर गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। इस मौके पर जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल ने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल 1 साल पूरे हो गए है। 11 साल पूरे होने पर भाजपा राष्ट्रीय नेतृत्व ने सभी राज्यों में संकल्प से सिद्धि तक अभियान चलाने जा रही है। जिसके माध्यम से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाया जाएगा एवं आयुष्मान भारत और सैन्य सफलता को विशेष फोकस किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 सफल वर्षों की प्रेरणादायक यात्रा को समर्पित इस कार्यशाला में जिला प्रभारी भारत भूषण जुयाल, मा. सांसद मनोहर लाल के प्रतिनिधि कविन्द्र राणा, कार्यक्रम संयोजक अशोक सुखीजा, सह संयोजक यशपाल ठाकुर, असंध मंडल सह संयोजक डॉ. मीनाक्षी शर्मा, कृष्ण गर्ग, जगदेव पाढा सहित सभी मंडल अध्यक्ष, सभी मंडलों के संयोजक एव सह संयोजक उपस्थित रहे।

बलबीर कश्यप ने संभाला गुहला के खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार

बलबीर कश्यप गुहला के खंड शिक्षा अधिकारी का कार्यभार संभालते हुए। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। विभागीय आदेशों के अनुसार बलबीर कश्यप ने खंड शिक्षा अधिकारी गुहला और खंड संसाधन संयोजक गुहला के पद पर कार्यभार संभाल लिया है। उन्होंने दोनों कार्यालय में बैठक लेकर सभी कार्यालय के कर्मचारियों को खंड में शैक्षिक गतिविधियों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई और सभी को भी अपने सम्बंधित कार्य को निर्धारित समय में सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

खंड में बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाएगा जिसमें बच्चों को उच्च स्तर और गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा प्रदान करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, कल्चरल फेस्ट, हर प्रकार के विभागीय कंपटीशन और गतिविधियां, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन राइटिंग, रोड सेफ्टी, नशा मुक्ति अभियान, लीगल लिटरेसी पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सभी स्कूल मुखिया और अध्यापकों के कल्याण संबंधी कार्यों को उच्च प्रथमिकता दी जाएगी। किसी भी प्रकार की कोई पेंडेंसी नहीं आने दी जाएगी। जीरो टॉलरेंस पर कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि गुहला में शिक्षा के समग्र विकास में अपनी समर्पित सेवा और बहुमूल्य योगदान के लिए पिछले सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करना चाहता हूँ। जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से गुहला को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में पूर्ण सहयोग दिया। उन्होंने कहा कि मैं मौजूदा पहलों को आगे बढ़ाने और शिक्षा में उत्कृष्टता से प्रयास करने के लिए लगन, मेहनत, निरंतरता आत्मविश्वास से काम करूँगा। गुहला खंड को शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक गति देने, वर्तमान में चल रहे सभी प्रकार के विभागीय कार्यों को पूर्ण करने हेतु प्रतिबद्ध रहूंगा। उन्होंने सभी सरकारी एवं गैर सरकारी स्कूल मुखिया को आवाह्न किया कि खंड में शिक्षा से संबंधित किसी भी मामले के लिए मुझसे संपर्क करने में संकोच न करें। उन्होंने कहा कि वे खंड के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपके और समुदाय के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। इसके साथ सभी सरकारी, गैर सरकारी स्कूल मुखिया और से अपील करता हूं आप भी खंड के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में पूर्ण सहयोग करेंगे।

इस अवसर पर नरेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी कैथल, सुरेश कौशिक, अधीक्षक, प्रधानाचार्य चरणजीत कौर, संजय गुप्ता, अशोक कुमार, सुनील दत्त, दिनेश कुमार, अशोक कुमार, ऋषिपाल, सुमन कालरा, कुलदीप कुमार, प्रदीप कुमार, विवेक राणा, मलकीत सिंह, उपेन्द्र शुक्ला, सहायक जोगिन्द्र सिंह, सुशील कुमार अमित शर्मा, अश्विनी कुमार, इंदु गुप्ता, पुनम शर्मा, अश्वनी धीमान, करम चंद, निधि गुप्ता, मनप्रीत कौर, जिले सिंह फौजी, रामदत्त कश्यप, रमेश कश्यप, वंदना, कुशल शर्मा, दिनेश कुमार, विनोद कुमार आदि उपस्थित रहे।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने किया 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सड़क का शिलान्यास

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गांव गोगडीपुर से पिंगली-करनाल तक सम्पर्क सड़क का शिलान्यास किया। इस सड़क की लंबाई 2.53 किलोमीटर है। सड़क बनाने में लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपए की लागत आएगी, जिससे क्षेत्र के निवासियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने ग्रामीणों का उनके स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि गोगडीपुर से पिंगली तक एक सुगम सड़क का निर्माण क्षेत्र के ग्रामीणों की एक लंबे समय से चली आ रही मांग थी। इस सड़क के निर्माण से विशेष रूप से गोगडीपुर गांव व आस पास के किसानों और ग्रामीणों को लाभ मिलेगा।

श्री कल्याण ने कहा जनता के लिए उनके द्वार 24 घंटे खुले हैं। हलके का विकास उनकी प्राथमिकता है। आने वाले समय में न केवल लंबित कार्यों को पूरा कराया जाएगा बल्कि लोगों की जरूरत अनुसार नए कार्य भी किए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी प्रकार की समस्या या आवश्यकता महसूस होने पर सीधे उनसे संपर्क करने का आग्रह किया और उन्हें अपनी निरंतर सेवा और सहयोग का आश्वासन दिया। श्री कल्याण ने कहा कि सरकार ग्रामीण विकास की सभी सम्भावनाओं पर कार्य कर रही है। राजकीय स्कूलों का अपग्रेडेशन, बरसाती पानी की निकासी का समुचित प्रबंधन, व्यायामशालाओं का निर्माण व खेल सुविधाओं मे विस्तार, पक्की गलियों व नालियों का निर्माण तथा ग्रामीण क्षेत्र मे आमजन के लिए बेहतर सड़को का निर्माण करवाना सरकार की प्राथमिकता है।

इस मौके पर मंडल अध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा, भाजपा महामंत्री सतबीर गोस्वामी, जिला सचिव मंजू खैची, सरपंच संगीता देवी, सरपंच प्रतिनिधि अशोक शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहें।

एडीसी ने किया ड्रेनों का औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए जल्द सफाई के निर्देश

एडीसी कैथल दीपक बाबूलाल करवा ड्रेनों का औचक निरीक्षण करते हुए। (छाया: एसबी)

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा ने मंगलवार को ग्योंग लिंक ड्रेन, कैथल जगदीशपुरा व उझाना ड्रेन, कैथल कुतुबपुर, दीवाल व फ्रांसवाला लिंक ड्रेन, ओल्ड मानस लिंक ड्रेन, मागो माजरी लिंक ड्रेन व गांव देवीगढ़ में ड्रेनों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई ड्रेनों के अंदर खरपतवार, घास, कूड़ा करकट व जलखुम्बी पाई गई। कई जगह पर ड्रेनों पर चल रहे कार्य की गति धीमी पाई गई। जिस पर संज्ञान लेते हुए एडीसी ने मौके पर ही उपस्थित नहरी विभाग के कार्यकारी अभियंता व उपमंडल अभियंता को निर्देश दिए कि वे स्वयं भी सभी ड्रेनो का साप्ताहिक निरीक्षण करें और सफाई के कार्य को बारिश के सीजन से पहले पूरा किया जाए।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 9871221635

दिव्यांगता को अपनी कमजोरी न समझें, बल्कि हिम्मत और हौंसले के साथ आगे बढ़े: डीसी प्रीति

जिला रेडक्रॉस सोसायटी में आयोजित किया गया उपकरण वितरण शिविर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि अगर जज्बा और जूनून हो तो व्यक्ति सफलता हासिल करने के लिए दिव्यांगता को भी मात दे सकता है। आज ओलंपिक सहित अन्य खेलों में दिव्यांग अपनी प्रतिभा का खूब प्रदर्शन कर रहे हैं और मेडल लेकर देश व प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। इसलिए दिव्यांगता को अपनी कमजोरी न समझें, बल्कि हिम्मत और हौंसले के साथ जीवन में आगे बढ़े।

डीसी प्रीति ने मंगलवार को जिला रेडक्रॉस सोसायटी में आयोजित उपकरण वितरण शिविर में दिव्यांगजनों को संबोधित कर रहीं थीं। इस अवसर पर 289 दिव्यांगजनो को 621 सहायक उपकरण एवं आधुनिक कृत्रिम अंग वितरित किए। इसमें 69 मोटराईज्ड ति-पहिया साईकिलें, 62 ति-पहिया साईकिलें, 64 श्रवण यन्त्र, 31 व्हील चेयर एव अन्य आधुनिक कृत्रिमं अंग शामिल रहे। इसके साथ ही उन्होंने हेलमेट भी वितरित किए और सभी से आह्वान किया कि वे इनका प्रयोग अवश्य करं।

डीसी प्रीति ने कहा कि एक दिव्यांग व्यक्ति अपने जीवन में एक सामान्य व्यक्ति की तरह ही अपना जीवन यापन करने के लिए सक्षम है। वह अपने ज्ञान, कौशल एवं प्रतिभा के बल पर सफ लता हासिल कर सकता है तथा देश के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकता है। दिव्यांग व्यक्तियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, केवल उन्हें हौंसला, सुविधा और अवसर प्रदान करवाने की जरूरत है। सरकार व जिला प्रशासन द्वारा यह कार्य बखूबी किया जा रहा है। हम दिव्यांगजनों की सहायता के लिए हमेशा तैयार हैं। सरकार द्वारा हर जरूरतमंद की सहायता की जा रही है, उन्हें सहायक उपकरण एवं आधुनिक कृत्रिम अंग प्रदान किए जा रहे हैं। इसके अलावा दिव्यांग जनों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत नियमानुसार मासिक पेंशन भी दी जाती है। सरकार व जिला प्रशासन का लक्ष्य दिव्यांग एवं बुजुर्ग व्यक्तियों के जीवन को आसान बनाना है।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल ने बताया कि गत एक जनवरी 2025 से छह जनवरी 2025 तक जिला कैथल के निःशक्त व्यक्तियों की सहायतार्थ सहायक उपकरण एवं आधुनिक कृत्रिम अंग निःशुल्क उपलब्ध करवाने के लिए एल्मिको द्वारा माप लिए गए थे। मंगलवार को भारतीय रेडक्रास सोसायटी राज्य शाखा हरियाणा चंडीगढ के महासचिव महेश जोगी तथा डीसी प्रीति के कर कमलों से इन्हें वितरित किया गया है। उन्होंने बताया कि इन उपकरण पर 54.28 लाख की राशि खर्च हुई है, जिसका वहन सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमें निःस्वार्थ भाव के साथ जनहित कार्यों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए एवं निःशक्त जन की सहायतार्थ सदैव तत्पर रहना चाहिए।

इस अवसर पर जिला समाज कल्याण अधिकारी सुदेश कुमार, डा. बीरबल दलाल, अशोक साहू, कृष्ण मलिटी इन्चार्ज, श्याम बंसल समाजसेवी, चंद्रगुप्त गोयल, पवन कुमार, ललित, डा: अनिल सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

स्वच्छता पखवाड़ा में प्लास्टिक बाहर-कपड़ा अंदर की चलाई गतिविधि, कर्ण गेट बाजार में 500 से अधिक कपड़े के थैले किए वितरित

निगमायुक्त ने शहरवासियों को जागो करनाल-प्लास्टिक त्यागो करनाल का दिया संदेश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। पॉलीथिन को ना कहकर कपड़े के थैलों का प्रयोग करें, जैसे जागरूकता कार्यक्रम के साथ नगर निगम ने मंगलवार को शहर के कर्ण गेट बाजार में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत प्लास्टिक बाहर-कपड़ा अंदर की गतिविधि की। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दुकानदारों व ग्राहकों को 500 से अधिक कपड़े के बैग वितरित किए और अपील की कि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुडें और करनाल शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाएं। इस अवसर पर अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार भी मौजूद रहे।

खास बात यह रही कि निगमायुक्त के जागो करनाल-प्लास्टिक त्यागो करनाल के आहद्वान पर कर्ण गेट मार्किट एसोसिएशन के सभी दुकानदारों ने एक सुर में नगर निगम आयुक्त को अपना समर्थन दिया। इसके पश्चात कपड़े के बैग वितरित करते समय, दुकानदारों ने प्लास्टिक के बैग आयुक्त को सौंपते कहा कि आज से दुकान में प्लास्टिक पॉलिथीन का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

निगमायुक्त ने अपने संदेश में कर्ण गेट बाजार संघ के सभी दुकानदारों का प्लास्टिक त्यागने का संकल्प लेने पर धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी, स्वच्छ भारत मिशन अभियान को लेकर काफी गम्भीर है। इसे लेकर देशभर में जोर-शोर से अभियान चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोलम्बिया विश्वविद्यालय के एक शोध में भी पाया गया है कि प्लास्टिक की पानी की बोतल में नैनो प्लास्टिक के कण पाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त वायुमंडल में भी इसके कण मौजूद हैं, जो सांस के द्वारा हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं। इससे मनुष्य के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है, जिससे कैंसर व हृदय घात जैसी बीमारियां दिन प्रतिदिन बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि नागरिक जितना जल्दी प्लास्टिक त्यागेंगे, उतना ही अच्छा होगा।

उन्होंने शहरवासियों से कहा कि बाजार में सामान लेने के लिए अपने घर से ही थैला लेकर जाएं और दुकानदार से कदापि पॉलीथिन कैरीबैग ना लें। दुकानदार भी सभी ग्राहकों को नम्रता पूर्वक घर से थैला लाने का आग्रह करें, क्योंकि पॉलीथिन के प्रयोग को ना कहने की जो मुहीम पूरे देश में चल रही है, उसमें प्रत्येक व्यक्ति चाहे दुकानदार है या ग्राहक, सबको विवष होकर नहीं स्वेच्छा से पॉलीथिन को ना कहना चाहिए। उन्होंने समझाया कि विगत 30-35 वर्षों के पहले के समय पर नजर डालें, तो लोग कपड़े के थैलों का ही प्रयोग करते थे। ज्यों-ज्यों व्यक्ति का पॉलीथिन के साथ सम्पर्क बड़ता गया, पर्यावरण प्रदूषण के साथ-साथ आदमी के स्वास्थ्य पर ही इसके वितरित प्रभाव होते गए। उन्होंने शहरवासियों से पुनः अपील करते कहा कि वह कपड़े या जूट के थैलों का ही प्रयोग करें ओर अपने शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने में नगर निगम का सहयोग करें। इस मौके पर कर्ण गेट बाजार संघ के प्रधान एवं वार्ड 8 के पार्षद संकल्प भंडारी ने कहा कि बाजार में कपड़े के थैले वितरित करने की नगर निगम की अच्छी पहल है, जिसका बाजार संघ स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि संघ के सभी दुकानदारों ने शत प्रतिशत प्लास्टिक त्यागने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि अब वह अपनी दुकानों में प्लास्टिक पोलिथीन का उपयोग नहीं करेंगे। इसके साथ-साथ प्लास्टिक की पानी की बोतल पर भी रोक लगाई जाएगी। उन्होंने कहा कि कर्ण गेट बाजार संघ करनाल शहर को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाने के लिए सदैव नगर निगम के साथ खड़ा रहेगा।

इसके अतिरिक्त स्वच्छता पखवाड़ा को लेकर मंगलवार को दो अन्य गतिविधियां भी शहर में चलाई गई। एक गतिविधि में सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने को लेकर 5 दुकानदारों व रेहड़ी-फड़ी वालों के चालान किए गए और 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। दूसरी गतिविधि में नागरिकों को प्लास्टिक त्यागने को लेकर जागरूक किया जा रहा है, जिससे प्रेरित होकर करीब 20-25 लोगों ने सेक्टर-13 स्थित सामुदायिक केन्द्र में बने आर.आर.आर. सेंटर में सिंगल यूज प्लास्टिक छोड़ने आए। उन्होंने भविष्य में एकल प्रयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने का संकल्प भी लिया। इस दौरान उन्हें कपड़े के थैले भी वितरित किए गए।

जवाहर नवोदय विद्यालय में छठी कक्षा में दाखिला लेने के लिए 29 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

संजना भारती संवाददाता

कैथल। जवाहर नवोदय विद्यालय की प्रधानाचार्य सुचिता गुप्ता ने बताया कि जिला के गांव तितरम स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छठी में प्रवेश पाने के लिए आगामी 29 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा का आयोजन आगामी 13 दिसंबर 2025 को किया जाएगा।

उन्होंने ने बताया कि विद्यार्थी जिस जिले के मूल निवासी हैं और शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उसी जिले में स्थित सरकारी, सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूल से पांचवी कक्षा का अध्ययन किया होना चाहिए, जहां जवाहर नवोदय विद्यालय संचालित हैं और वो उस नवोदय विद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं।

प्रत्येक कक्षा में पूर्ण शैक्षणिक सत्र का अध्ययन किया हो और सरकारी/सरकार से मान्यता प्राप्त स्कूल से कक्षा 3 और 4 उत्तीर्ण की हो और जन्म तिथि 1 मई 2014 से 31 जुलाई 2016 के बीच होनी चाहिए। नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। प्रधानाचार्य सुचिता गुप्ता ने बताया कि विद्यालय में कक्षा 6 से 12वीं तक सह-शैक्षिक तथा पूर्णतः आवासीय, मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को गुणवत्ता युक्त आधुनिक शिक्षा, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग आवास की सुविधा, भोजन, पाठय पुस्तकें, आदि के साथ निः शुल्क शिक्षा प्रदान करता है।

इसके अलावा सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास के लिए पाठ्य सहगामी गतिविधियां, खेलकूद, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट एवं गाइड आदि गतिविधियां करवाई जाती हैं।

चुनाव आयोग वीटीआर साझा करने की प्रक्रिया को करेगा अपग्रेड

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। भारत के निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग अब अनुमानित मतदाता मतदान प्रतिशत रुझानों पर समय पर अपडेट प्रदान करने के लिए एक सुव्यवस्थित, प्रौद्योगिकी-संचालित प्रणाली शुरू कर रहा है। यह नई प्रक्रिया पहले की मैनुअल रिपोर्टिंग विधियों से जुड़े समय अंतराल को काफी कम करेगी। यह पहल समय पर सार्वजनिक संचार सुनिश्चित करने के लिए आयोग की प्रतिबद्धता के अनुरूप है, जिसे मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने विभिन्न अवसरों पर रेखांकित किया है। उन्होंने बताया कि चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 49एस के वैधानिक ढांचे के तहत, पीठासीन अधिकारियों (पीआरओ) को मतदान एजेंटों को दर्ज किए गए मतों का विवरण देते हुए फॉर्म 17सी प्रस्तुत करना आवश्यक है, जिन्हें उम्मीदवारों द्वारा नामित किया जाता है और मतदान समाप्त होने पर मतदान केंद्र पर मौजूद होते हैं। जबकि यह कानूनी आवश्यकता अपरिवर्तित बनी हुई है, वीटीआर ऐप को अपडेट करने की प्रक्रिया, जो अनुमानित मतदाता मतदान प्रतिशत रुझानों के बारे में जनता को सूचित रखने के लिए एक सुविधाजनक, गैर-वैधानिक तंत्र के रूप में विकसित हुई थी, को तेजी से अपडेट सुनिश्चित करने के लिए सुव्यवस्थित किया जा रहा है। इस नई पहल के तहत, प्रत्येक मतदान केंद्र के पीठासीन अधिकारी (पीआरओ) अब मतदान के दिन हर दो घंटे में नए ईसीआईएनईटी ऐप पर सीधे मतदाता मतदान दर्ज करेंगे, ताकि अनुमानित मतदान रुझानों के अद्यतन में लगने वाले समय को कम किया जा सके।